शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
07/08/2021
कानपुर

प्रसार निदेशालय की कुलपति ने की गहन समीक्षा

शाश्वत टाइम्स

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर.सिंह की अध्यक्षता में आज प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का गहनता से अनुश्रवण किया गया। बैठक में निदेशक प्रसार समन्वयक डॉक्टर ए के सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति का स्वागत करते हुए प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार ने बताया कि वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की के- 1317 प्रजाति जो अधिक उत्पादन देने वाली है। सभी जनपदों में कृषकों के क्षेत्रों पर प्रदर्शन कराए गए हैं जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। जिससे वे स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बने । निदेशक प्रसार ने बताया कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित की जा रही है जिससे किसान मौसम के अनुसार खेती-बाड़ी का कार्य कर सकें । मौसम की क्षण - प्रतिक्षण की जानकारी हेतु केवी के वेदर मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है।। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रसार निदेशालय के प्रसार कार्य एवं अन्य गतिविधियों को सराहा तथा साथ ही निर्देशित किया है की सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर यह पाली हाउस, वर्मी कंपोस्ट,मधुमक्खी इत्यादि की इकाइयां लगी हों। जिससे किसान लाभान्वित हो सके।इसके अतिरिक्त कुलपति महोदय ने सुझाव दिया कि लोकल फॉर वोकल पर विशेष ध्यान दिया जाए उसे संरक्षित किया जाए । अंत में बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशालय की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर डॉक्टर धनंजय सिंह, डॉ पीके राठी, डॉ अनिल सचान,डॉ आर ए यादव, डॉक्टर सुभाष चंद्रा,डॉ यस बी पाल, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

RNI-NO-UTTBIL/2007/20700

वर्ष:12 | अंक:216 | देहरादून, शुक्रवार, 06 अगस्त, 2021 | पृष्ठ:08 | मूल्य:2/रु. प्रति

3

केंद्र से 42 सड़कों व सेतु के लिए 615 करोड़ स्वीकृत

13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का किया अनुश्रवण

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह की अध्यक्षता में प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का गहनता से अनुश्रवण किया गया बैठक में निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ० ए के सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति का स्वागत करते हुए प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया इस अवसर पर निदेशक प्रसार ने बताया कि वर्ष 2020–21 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की ज्ञ–1317 प्रजाति जो अधिक उत्पादन देने वाली है सभी जनपदों में कृषकों के क्षेत्रों पर प्रदर्शन कराए गए है जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं इसके अतिरिक्त शासन की मंशा के अनुरूप दलहन और तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य नई प्रजातियों का प्रदर्शन भी कराए गए है जिससे किसान दलहन और तिलहन फसलों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं इसके अतिरिक्त किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिए जा रहे है जिससे कि किसान आत्मनिर्भर हो सकें साथ ही गृह वैज्ञानिकों द्वारा महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के लिए मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण दिए जा रहे है जिससे वे स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बने निदेशक प्रसार ने बताया कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित की जा रही है जिससे किसान मौसम के अनुसार खेती–बाड़ी का कार्य कर सकें मौसम की क्षण–प्रतिक्षण की जानकारी हेतु केवी के वेदर मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है उन्होंने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते समय बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संस्तुति कार्य योजना के अनुसार वैज्ञानिक अपने विषयों से संबंधित किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीकी पहुंचा रहे हैं कृषि विज्ञान केंद्रों में न्यूट्री सीरियल (सुपर फूड) व भारे फसलों तथा उसर भूमि एवं जैविक खेती पर विभिन्न प्रसार कार्यक्रम संचालित किए गए हैं उन्होंने वर्ष 2021–22 के कार्य योजना को प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र के सभी कृषि विज्ञान केंद्र किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य किसानों की बात किसानों से कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रसार निदेशालय के प्रसार कार्य एवं अन्य गतिविधियों को सराहा तथा साथ ही निर्देशित किया है की सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर यह पाली हाउस, वर्मी कंपोस्ट, मधुमक्खी इत्यादि की इकाइयां लगी हों जिससे किसान लाभान्वित हो सके इसके अतिरिक्त कुलपति ने सुझाव दिया कि लोकल फॉर वोकल पर विशेष ध्यान दिया जाए उसे संरक्षित किया जाए अंत मे बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशालय की भी समीक्षा की गई इस अवसर पर डॉक्टर धनंजय सिंह, डॉ पीके राठी, डॉ अनिल सचान,डॉ आर ए यादव, डॉक्टर सुभाष चंद्रा, डॉ यस बी पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्द्वानी से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 31, अंक 215, पृष्ठ 12, मूल्य : 3 रुपये

लखनऊ, शनिवार, 7 अगस्त 2021

www.amritvichar.com

ने संभाला, भारत को बढ़त...11

यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लि

समीक्षा बैठक

प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों की हुई गहन समीक्षा

अधिक पैदावार देती है गेहूं की के-1317 प्रजाति

अमृत विचार, कानपुर

सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर.सिंह की अध्यक्षता में प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का गहनता से अनुश्रवण किया गया। बैठक में निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ. एके सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति का स्वागत करते हुए प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया।

समीक्षा बैठक करते सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह। फोटो : अमृत विचार

इस अवसर पर निदेशक प्रसार ने बताया कि वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की के-1317 प्रजाति जो अधिक उत्पादन देने वाली है। सभी जनपदों में कृषकों के क्षेत्रों पर प्रदर्शन कराए गए हैं, जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त शासन की मंशा के अनुरूप दलहन और तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य नई प्रजातियों का प्रदर्शन भी कराए गए हैं, जिससे किसान दलहन और तिलहन फसलों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं जिससे कि किसान आत्मनिर्भर हो सकें साथ ही गृह वैज्ञानिकों द्वारा महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के लिए मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। जिससे वे स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बने। निदेशक प्रसार ने बताया कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित की जा रही है। मौसम की क्षण-प्रतिक्षण की जानकारी हेतु केवी के वेदर मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते समय बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संस्तुति कार्य योजना के अनुसार वैज्ञानिक अपने विषयों से संबंधित किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीकी पहुंचा रहे हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों में न्यूट्री सीरियल (सुपर फूड) व चारे फसलों तथा उसर भूमि एवं जैविक खेती पर विभिन्न प्रसार कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। उन्होंने वर्ष 2021-22 के कार्य योजना को प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र के सभी कृषि विज्ञान केंद्र किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य किसानों की बात किसानों से कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रसार निदेशालय के प्रसार कार्य एवं अन्य गतिविधियों को सराहा। इस अवसर पर डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. पीके राठी, डॉ अनिल सचान, डॉ आरए यादव, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. यसबी पाल, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ, शनिवार, 07 अगस्त, 2021, वर्ष : 12, अंक : 291, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/- www.janexpresslive.com/epaper /janexpr

जन एक्सप्रेस

कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों की ली गई जानकारी

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक का आयोजन हुआ जिसमे कुलपति द्वारा प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों की जानकारी ली गई। बैठक में निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की अधिक उत्पादन देने वाली के-1317 प्रजाति का जनपदों में कृषकों के क्षेत्रों पर प्रदर्शन कराए गए हैं जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को तिलहन और दलहन फसलों के प्रति आकर्षित करने तथा तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य से नई प्रजातियों के प्रदर्शन कराए गए हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं जिससे किसान आत्मनिर्भर हो सकें साथ ही गृह वैज्ञानिकों द्वारा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं जिससे वह स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बने।

उन्होंने बताया कि सभी किसान मौसम के अनुसार खेती बाड़ी का कार्य कर सकें इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित की जा रही है तथा मौसम की क्षण-प्रतिक्षण की जानकारी के लिए केवी के वेदर मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते समय बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संस्तुति कार्य योजना के अनुसार वैज्ञानिक अपने विषयों से संबंधित किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीकी पहुंचा रहे हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों में न्यूट्री सीरियल (सुपर फूड) व चारे फसलों तथा उसर भूमि एवं जैविक खेती पर विभिन्न प्रसार कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर पाली हाउस, वर्मी कंपोस्ट, मधुमक्खी इत्यादि की इकाइयां लगाने के लिए निर्देशित किया जिससे किसान लाभान्वित हो सके। उन्होंने लोकल फॉर वोकल पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

इस अवसर पर डॉ.धनंजय सिंह, डॉ. पी. के. राठी, डॉ. अनिल सचान, डॉ. आर. ए. यादव, डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. यस. बी. पाल, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कानपुर। शनिवार • 7 अगस्त • 2021

राष्ट्रीय सहारा

सीएसए का गेहूं व दलहन-तिलहन की

नई प्रजातियों के प्रसार पर जोर

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि का जोर गेहूं व दलहन-तिलहन की नई विकसित प्रजातियों के प्रसार पर है, जिससे किसान ज्यादा लाभान्वित हो सकें। विवि यह कार्य अपने अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कर रहा है। इसके लिए इन केन्द्रों द्वारा चयनित किसानों के प्रक्षेत्रों पर नई प्रजातियों की प्रदर्शन खेती कराई जा रही है। उम्मीद है कि प्रदर्शन खेती का परिणाम देख क्षेत्र के अन्य किसान भी नई प्रजातियों का उपयोग करने के लिए आगे आयेंगे।

विवि कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने शुक्रवार को विवि के प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यकलापों की समीक्षा करते हुए अधिक उत्पादन देने वाली नई प्रजातियों के बीजों के प्रयोग को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ.एके सिंह ने बताया कि विवि द्वारा वर्ष 2020-21 में विकसित गेहूं की 'के-1317' प्रजाति अधिक उत्पादन देने वाली है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप दलहन और तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य से भी नई प्रजातियों के प्रदर्शन खेती कराई जा रही है।

सीएसए कुलपति डॉ.डीआर सिंह प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केंद्रों की समीक्षा करते हुए।

> सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में की जाये पॉली हाउस, वर्मी कंपोस्ट व मधुमक्खी पालन इकाइयों की स्थापना : कुलपति डॉ. डीआर सिंह

खेतीबाड़ी के कार्य में सहयोग के लिए किसानों को मौसम के हाल से भी अपडेट रखा जाता है।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संस्तुत कार्य योजना के अनुसार वैज्ञानिक संबंधित किसानों तक नवीन कृषि तकनीक पहुंचाने के कार्य में जुटे हैं। कृषि विज्ञान केन्द्रों में न्यूट्रीसीरियल (सुपर फूड) व चारे फसलों, ऊसर भूमि सुधार व जैविक खेती पर विभिन्न प्रसार कार्यक्रम संचालित किये गये। विवि प्रवक्ता डॉ.खलील खान के अनुसार विवि कुलपति ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को निर्देशित किया है कि सभी केन्द्रों पर पॉली हाउस, वर्मी कंपोस्ट, मधुमक्खी पालन आदि इकाईयां लगाई जायें, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। कुलपति ने लोकल फॉर वोकल पर ध्यान केन्द्रित करते हुए क्षेत्र विशेष की कृषि उत्पादों को भी संरक्षित व विकसित करने पर जोर दिया। डॉ.धनंजय सिंह, डॉ.पीके राठी, डॉ.अनिल सचान, डॉ.आरए यादव, डॉ.सुभाष चन्द्रा, डॉ.एसवी पाल सहित अन्य लोग समीक्षा बैठक में शामिल रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

हिन्दी दैनिक समाचार

विशाल प्रदेश

RNI No. UPHIN/2007/23059

प्रधान सम्पादक- मोहम्मद नासिर

कानपुर का लोकप्रिय समाचार पत्र

वर्ष : 15 | अंक : 187 | शनिवार 07 अगस्त 2021 | पृष्ठ : 6 | मूल्य : 1.00

प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का गहनता से किया गया अनुश्रवण

कानपुर-(दीपक गौड़) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ0 डी.आर.सिंह की अध्यक्षता में प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का गहनता से अनुश्रवण किया गया बैठक में निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ0 ए0वे0 सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति का स्वागत करते हुए प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया इस अवसर पर निदेशक प्रसार ने बताया कि वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की के-1317 प्रजाति जो अधिक उत्पादन देने वाली है सभी जनपदों में कृषकों के क्षेत्रों पर प्रदर्शन कराए गए हैं जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं इसके अतिरिक्त शासन की मंशा के अनुरूप दलहन और तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य नई प्रजातियों का प्रदर्शन भी कराए गए हैं जिससे

किसान दलहन और तिलहन फसलों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं इसके अतिरिक्त किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं जिससे कि किसान आत्मनिर्भर हो सकें साथ ही गृह वैज्ञानिकों द्वारा महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के लिए मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं जिससे वे स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बने निदेशक प्रसार ने बताया कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित की जा रही है जिससे किसान मौसम के अनुसार खेती-बाड़ी का कार्य कर सकें मौसम की क्षण-प्रतिक्षण की जानकारी हेतु केवी के वेदर मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है उन्होंने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते समय बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संस्तुति कार्य योजना के अनुसार वैज्ञानिक अपने विषयों से संबंधित किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीकी पहुंचा रहे हैं कृषि विज्ञान केंद्रों में न्यूट्री सीरियल (सुपर फूड) व चारे फसलों तथा उसर भूमि एवं जैविक खेती पर विभिन्न प्रसार कार्यक्रम संचालित किए गए हैं उन्होंने वर्ष 2021-22 के कार्य योजना को प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र के सभी कृषि विज्ञान केंद्र किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य किसानों की बात किसानों से कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रसार निदेशालय के प्रसार कार्य एवं अन्य गतिविधियों को सराहा तथा साथ ही निर्देशित किया है की सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर यह पाली हाउस, वर्मी कंपोस्ट, मधुमक्खी इत्यादि की इकाइयां लगी हों जिससे किसान लाभान्वित हो सके इसके अतिरिक्त कुलपति ने सुझाव दिया कि लोकल फ़ॉर वोकल पर विशेष ध्यान दिया जाए उसे संरक्षित किया जाए अंत में बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशालय की भी समीक्षा की गई इस अवसर पर डॉक्टर धनंजय सिंह, डॉ पीके राठी, डॉ अनिल सचान,डॉ आर ए यादव, डॉ0 सुभाष चंद्रा, डॉ यसवी पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

पाली हाउस, मधुमक्खी पालन अनिवार्य

कानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में पाली हाउस, वर्मी कंपोस्ट और मधुमक्खी पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। इसका लाभ किसानों को मिल सके। यह निर्देश कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने दिया। कहा, लोकल फॉर वोकल का विशेष ध्यान रखा जाए और उसे संरक्षित किया जाए। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने शुक्रवार को प्रसार निदेशालय और 13 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) की समीक्षा की। प्रसार निदेशक डॉ. एके सिंह ने बताया कि अधिक उत्पादन वाली गेहूं की नई प्रजाति के-1317 का लाभ किसान ले रहे हैं।

वर्ष 15 अंक 215 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 07 अगस्त 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

'किसानों की बात किसानों से' कार्यक्रम का होगा संचालन : कुलपति

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर.सिंह की अध्यक्षता में प्रसार निदेशालय एवं 13 कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का गहनता से अनुश्रवण किया गया। बैठक में निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉक्टर ए के सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति का स्वागत करते हुए प्रसार निदेशालय व कृषि विज्ञान केंद्रों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार ने बताया कि वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित गेहूं की के- 1317 प्रजाति जो अधिक उत्पादन देने वाली है। सभी जनपदों में कृषकों के खेतों पर प्रदर्शन कराए गए हैं जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त शासन की मंशा के अनुरूप दलहन और तिलहन का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य नई प्रजातियों का प्रदर्शन भी कराए गए हैं जिससे किसान दलहन और तिलहन फसलों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं जिससे कि किसान आत्मनिर्भर हो सकें साथ ही गृह वैज्ञानिकों द्वारा महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के लिए मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। जिससे वे स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकें और आत्मनिर्भर बने । निदेशक प्रसार ने बताया कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित की जा रही है जिससे किसान मौसम के अनुसार खेती-बाड़ी का कार्य कर सकें । मौसम की क्षण - प्रतिक्षण की जानकारी हेतु केवी के वेदर मोबाइल व्हाट्सएप द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है उन्होंने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते समय बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संस्तुति कार्य योजना के अनुसार वैज्ञानिक अपने विषयों से संबंधित किसानों तक नवीनतम कृषि तकनीकी पहुंचा रहे हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों में न्यूट्री सीरियल (सुपर फूड) व चारे फसलों तथा उसर भूमि एवं जैविक खेती पर विभिन्न प्रसार कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। उन्होंने वर्ष 2021-22 के कार्य योजना को प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र के सभी कृषि विज्ञान केंद्र किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य किसानों की बात किसानों से कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रसार निदेशालय के प्रसार कार्य एवं अन्य गतिविधियों को सराहा तथा साथ ही निर्देशित किया है की सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर पह पाली हाउस, वर्मी कंपोस्ट,मधुमक्खी इत्यादि की इकाइयां लगी हों। जिससे किसान लाभान्वित हो सकें इसके अतिरिक्त कुलपति महोदय ने सुझाव दिया कि लोकल फॉर वोकल पर विशेष ध्यान दिया जाए उसे संरक्षित किया जाए । अंत में बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशालय की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर डॉक्टर धनंजय सिंह, डॉ पीके राठी, डॉ अनिल सचान,डॉ आर ए यादव, डॉक्टर सुभाष चंद्रा,डॉ एस बी पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।